राधा ऐसी भयी श्याम की दीवानी भजन लिरिक्स

राधा ऐसी भयी श्याम की दीवानी,
की बृज की कहानी हो गयी,
एक भोली भाली गाँव की ग्वालिन,
तो पंडितों की वाणी हो गई,
की बृज की कहानी हो गयी।bd।

राधा ना होती तो वृन्दावन भी,
वृन्दावन ना होता,
कान्हा तो होते बंसी भी होती,
बंसी मैं प्राण ना होता,
प्रेम की भाषा जानता ना कोई,
कन्हैया को योगी मानता ना कोई,
बिना परिणय के वो प्रेम की पुजारीन,
कान्हा की पटरानी हो गयी,
की बृज की कहानी हो गयी।bd।

राधा की पायल ना बजती तो मोहन,
ऐसी ना रास रचाते,
निंदिया चुराकर मधुवन बुलाकर,
उंगली पे किसको नचाते,
क्या ऐसी खुशबु चन्दन में होती,
क्या ऐसी मिश्री माखन में होती,
थोडा सा माखन खिलाकर वो ग्वालिन,
अन्नपूर्णा सी दानी हो गयी,
की बृज की कहानी हो गयी।bd।

राधा ना होती तो कुंज गली भी,
ऐसी निराली ना होती,
राधा के नैना ना रोते तो जमुना,
ऐसी काली ना होती,
सावन तो होता झूले ना होते,
राधा के संग नटवर झूले ना होते,
सारा जीवन लुटा के वो भिखारन,
धनकों की राजधानी हो गयी,
की बृज की कहानी हो गयी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राधा ऐसी भयी श्याम की दीवानी,
की बृज की कहानी हो गयी,
एक भोली भाली गाँव की ग्वालिन,
तो पंडितों की वाणी हो गई,
की बृज की कहानी हो गयी।bd।

Singer – Anup Jalota Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com